

महात्माजी की बानी

पहिला भाग

जिन में

प्रतिबन्ध उन महात्मा का संक्षेप में जीवन-चरित्र और उनके
संस्कारों का वर्णन है। यह पुस्तक उन महात्माओं
के मार्ग के भूत-तत्त्व का प्रकाश दिखाई है।

और

याता में उलझा हुआ है। यह अति-संतोष और तत्त्व
वेधक भजन, नीति, दौड़, चरित्र, कठे प्राचीन ग्रन्थ
लिखित पुस्तकों में चुनकर मुख्य-संशोधन और
संशोधन के अनुसार प्रकाशित करने वाले हैं।

और

सूक्ष्म कठिनाईयों के कठे या कठुटे भाषों के अर्थों
संक्षेप में नोट में निम्न दिये गये हैं।

कोई साक्ष्य बिना प्रमाणों के इन पुस्तकों को न लें।
